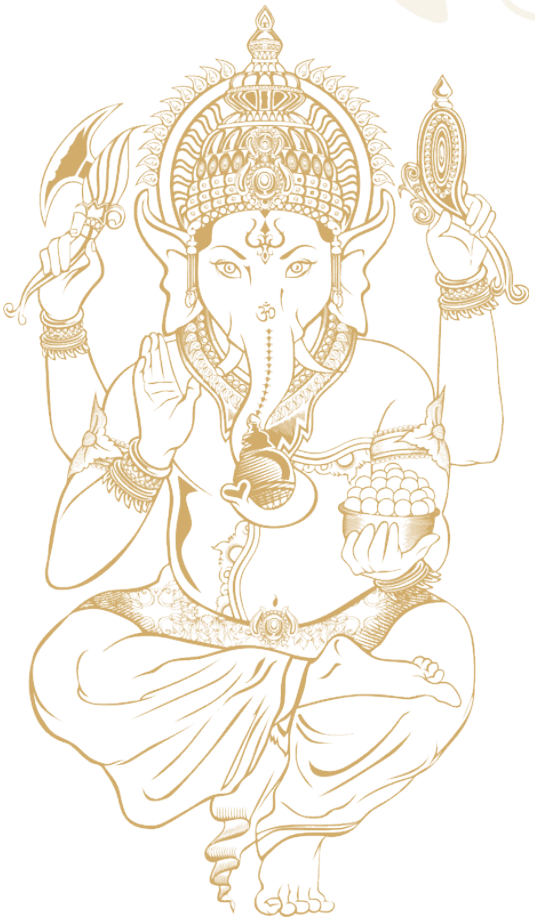

Mr. Abc

21 Nov 1987

09:45 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121370402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/11/1987**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	07:05:06 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:18:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:22:12 घंटे
वेलान्तर	00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल	13:20:45 घंटे
सूर्योदय	06:54:57 घंटे
सूर्यास्त	17:22:00 घंटे
दिनमान	10:27:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:37:06 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:51:52 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	नाग
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:51:52	339:56:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	04:37:06	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	03:22:14	14:01:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			तुला	04:22:43	00:39:10	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	17:32:00	01:25:55	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	27:05:02	00:04:51	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	27:43:59	01:14:38	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
शनि			वृश्चि	27:00:30	00:06:45	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	07:07:52	00:09:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	07:07:52	00:09:10	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	01:33:06	00:03:20	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	12:38:16	00:01:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	16:56:56	00:02:21	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	28:09:08	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:15

लग्न-चलित

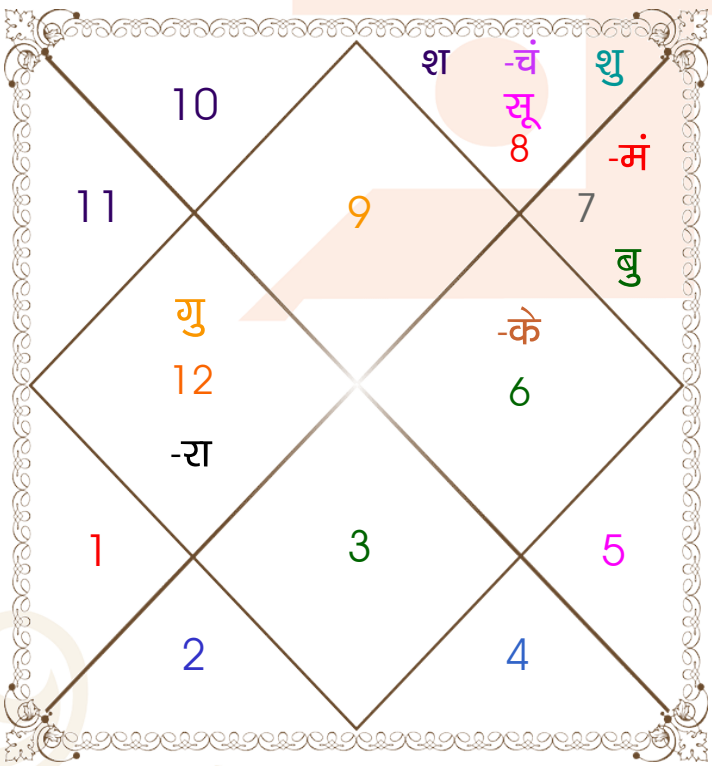

चन्द्र कुंडली

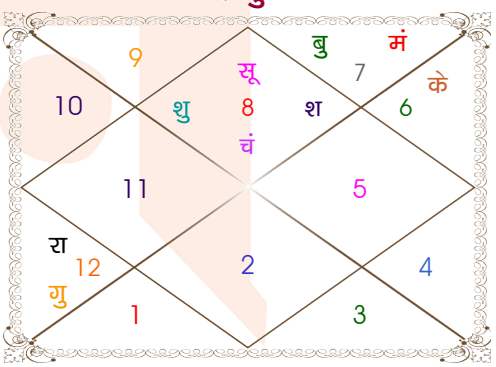

नवमांश कुंडली

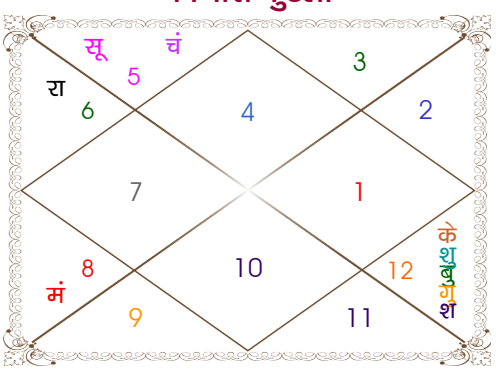

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 11 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/11/1987		01/11/2006		02/11/2023		01/11/2030		01/11/2050	
01/11/2006		02/11/2023		01/11/2030		01/11/2050		01/11/2056	
शनि	04/11/1990	बुध	30/03/2009	केतु	30/03/2024	शुक्र	03/03/2034	सूर्य	19/02/2051
बुध	14/07/1993	केतु	27/03/2010	शुक्र	30/05/2025	सूर्य	03/03/2035	चंद्र	21/08/2051
केतु	23/08/1994	शुक्र	25/01/2013	सूर्य	05/10/2025	चंद्र	01/11/2036	मंगल	26/12/2051
शुक्र	23/10/1997	सूर्य	01/12/2013	चंद्र	06/05/2026	मंगल	01/01/2038	राहु	19/11/2052
सूर्य	05/10/1998	चंद्र	03/05/2015	मंगल	02/10/2026	राहु	01/01/2041	गुरु	07/09/2053
चंद्र	05/05/2000	मंगल	29/04/2016	राहु	20/10/2027	गुरु	02/09/2043	शनि	20/08/2054
मंगल	14/06/2001	राहु	17/11/2018	गुरु	25/09/2028	शनि	01/11/2046	बुध	27/06/2055
राहु	20/04/2004	गुरु	21/02/2021	शनि	04/11/2029	बुध	01/09/2049	केतु	02/11/2055
गुरु	01/11/2006	शनि	02/11/2023	बुध	01/11/2030	केतु	01/11/2050	शुक्र	01/11/2056

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/11/2056		01/11/2066		01/11/2073		02/11/2091		03/11/2107	
01/11/2066		01/11/2073		02/11/2091		03/11/2107		00/00/0000	
चंद्र	01/09/2057	मंगल	30/03/2067	राहु	14/07/2076	गुरु	20/12/2093	शनि	22/11/2107
मंगल	02/04/2058	राहु	17/04/2068	गुरु	08/12/2078	शनि	02/07/2096		00/00/0000
राहु	02/10/2059	गुरु	24/03/2069	शनि	14/10/2081	बुध	08/10/2098		00/00/0000
गुरु	31/01/2061	शनि	03/05/2070	बुध	02/05/2084	केतु	14/09/2099		00/00/0000
शनि	01/09/2062	बुध	30/04/2071	केतु	21/05/2085	शुक्र	16/05/2102		00/00/0000
बुध	01/02/2064	केतु	26/09/2071	शुक्र	20/05/2088	सूर्य	04/03/2103		00/00/0000
केतु	01/09/2064	शुक्र	25/11/2072	सूर्य	14/04/2089	चंद्र	03/07/2104		00/00/0000
शुक्र	03/05/2066	सूर्य	02/04/2073	चंद्र	14/10/2090	मंगल	09/06/2105		00/00/0000
सूर्य	01/11/2066	चंद्र	01/11/2073	मंगल	02/11/2091	राहु	03/11/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 11 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।